खबर संक्षेप

पंडित राजुल जोशी बने नारायणगंज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष

मण्डला। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी के अनुमोदन उपरांत प्रदेश कांग्रेस कमेटी जीतू पटवारी द्वारा जिलों के अंतर्गत के नवीन अध्यक्षों की नियुक्ति की गई जिसमें नारायणगंज ब्लॉक के एडवोकेट पंडित राजुल ज्योतिषी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की कमान सौंप गई आशा है भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीति सिद्धांत और संगठन आत्मक अनुशासन के अनुसार कार्य करेंगे ब्लॉक स्तर पर संगठन को मजबूत करने की शक्ति भूमिका निभाएंगे इनकी नियुक्ति पर निवास विधानसभा के लोकप्रिय विधायक माननीय चैन सिंह वर्कड़े जी एवं समस्त ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संगठन में हर्ष व्याप्त है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक मर्सकोले जिला उपाध्यक्ष मगनलाल सोनी मल्लू मरावी जिला उपाध्यक्ष रघुनंदन विश्वकर्मा रघुनंदन सोनी गणेश पाठक पंडित चंद्रशेखर तिवारी विधानसभा अध्यक्ष रितेश सोनी रमेश विश्वकर्मा राजू मरावी नूर अहमद खान भाव सिंह मंडल अध्यक्ष विपिन सोनी मंडल अध्यक्ष सुनील मलगाम मंडल अध्यक्ष नरेश सोनी भूपेंद्र जिला सदस्य प्यारी बाई गोठरिया मुकेश सोनी हिरदेश साहू प्रिंस अग्रवाल बसंत चक्रवर्ती हनुमत चक्रवर्ती कमल चक्रवर्ती संतोष बर्मन संदीप सोनी विपिन सोनी रुपेश अग्रवाल राजाराम राजाराम सुरेंद्र सिंगरौली बलराम साहू समस्त मंडल अध्यक्ष सेक्टर अध्यक्ष बूथ अध्यक्ष शुभकामनाएं दी

सड़क निर्माण कंपनी की मनमानी, राजस्व एवं वन विभाग ने की कार्यवाही

मुर्रम खुदाई से 15 पेड़ जमींदोज

*** मशीनों से रात को हो रहा था खनन का काम।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

''समरथ को नहीं दोष गोसांई'' यह कहावत सही मायने में मण्डला में ही चरितार्थ होती है जब कोई भी निर्माण एजेंसी या कार्यकारी एजेंसी पहुंच वाली होती है तो उसके लिये न तो कोई नियम मायने रखते हैं और न ही किसी तरह का कानून उनके आड़े आता है। आप इतिहास उठाकर देख लीजिये फिर चाहे वह सड़क निर्माण का मामला हो, रेत का उत्खनन एवं रेत के परिवहन का मामला हो, सीवरेज लाईन निर्माण कार्य हो या फिर शराब का अवैध विक्रय एवं परिवहन हो, इन सभी मामलों में जो रसूख वाले होते हैं उनके लिये कहीं कोई दिक्कत परेशानी नहीं होती।

अब हाल ही में देख लीजिये मण्डला-डिण्डौरी सड़क निर्माण कार्य जो जिस गति से एवं जिस तरीके से किया जा रहा है उससे लोग और स्थानीयजन परेशान हो रहे हैं लेकिन सड़क निर्माण कंपनी को कोई भी फर्क पड़ता नहीं दिखाई दे रहा।

कल तो उस समय इनकी दबंगता सामने आई जब यह मालूम चला कि रात्रि में इनके द्वारा लगाई गई मशीनों के माध्यम से मुर्रम का उत्खनन किया जा रहा था और उत्खनन इतने बड़े पैमाने पर हो रहा था कि इस उत्खनन से 15 बड़े पेड़ धराशायी हो गये। जो पेड़ गिरे उनमें 14 पेड़ सागौन के थे एवं 01 पेड़ महुआ का बताया जा रहा है। जैसे ही घटना की सूचना मिली वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने जांच प्रारंभ की हालांकि जब तक अधिकारियों की टीम स्थल पर पहुंच पाती उसके पूर्व ही वहां लगी बड़ी-बड़ी मशीनों को हटा दिया गया।

जब वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि 15 वृक्ष गिरे हुये हैं जिनमें से 14 कीमती सागौन के वृक्ष हैं जिन्हें बिना अनुमति तो काटा ही नहीं जा सकता। विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई जब सीमा की जांच की गई तो बताया गया कि यह राजस्व की भूमि है लिहाजा इस पर कार्यवाही राजस्व विभाग के अधिकारी, कर्मचारी करेंगे।

वन विभाग रेंजर द्वारा तहसीलदार मण्डला को पूरे मामले की सूचना दी गई और फिर राजस्व विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और उन्होंने पंचनामा बनाकर कार्यवाही प्रारंभ की।

देर शाम तक कार्यवाही क्या हुई किस पर मामला बनाया गया इसकी कोई विधिवत जानकारी नहीं प्राप्त हो पाई कारण था कि कार्यवाही में शामिल अधिकारी, कर्मचारियों से सम्पर्क करना संभव नहीं हो सका।

वन विभाग की रेंजर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मुर्रम का उत्खनन हो रहा था जिसके चलते 15 वृक्ष धराशायी हो गये इसमें 14 सागौन के वृक्ष हैं।

जब हरिभूमि द्वारा उनसे यह पूछा गया कि सागौन के वृक्ष यदि काटे गये हैं या गिराये गये है तो वन विभाग का क्या दायित्व बनता है इस पर उनका कहना था कि काटे जाने पर तो हमारे विभाग द्वारा कोई प्रावधान नहीं है कारण यह कि वह राजस्व की भूमि है लेकिन परिवहन पर हमारा कानून चलेगा और ये सभी पेड़ वन विभाग के शासकीय काष्ठागार में ही रखे जायेंगे।

कार्यवाही के दौरान सड़क निर्माण कंपनी के अधिकारियों द्वारा यह कहा जाता रहा कि हमने संबंधित कृषक से अनुबंध किया हुआ है और तभी हम उत्खनन कर रहे थे अब प्रश्न यह उठता है कि भूमि स्वामी से अनुबंध कर लेने मात्र से क्या उत्खनन की अनुमति जायज हो जाती है या फिर जो खनिज विभाग है उसकी भी कोई भूमिका खनन को लेकर होती है कि नहीं?

खनन के दौरान इतना तो ध्यान रखा जाना चाहिये था कि उत्खनन से किसी तरह वृक्षों को कोई क्षति न पहुंचे लेकिन अभिमान में चूर इन कर्मचारियों को तो शायद न तो किसी कानून का कोई खौफ है और न ही पर्यावरण की कोई चिंता।

भुआबिछिया नगर में आवारा कुत्तों का आतंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

भुआबिछिया नगर में आवारा कुत्तों के आतंक से नगर सहित बच्चे छात्र छात्राएं, नगर वासी भयभीत है वहीं दो पहिया वाहन चालकों ओर स्कूल आते–जाते छात्र छात्राओं राहगीरों पर खौफ नजर आ रहा है। नगर क्षेत्र में लंबे समय से आवारा कुत्तों का आतंक देखने को मिल रहा है, चौंक चौराहों, मोहल्लों और घरों के आस पास पर लंबी टोली के साथ जब आवारा कुत्ते निकलते है तो देखते ही लोग दहशत में आ जाते है ऐसे समय में सुबह स्कूल जाते बच्चे शाम को छुट्टी के बाद बच्चों का वापिस होने के समय में आवारा कुत्तों की टोलियां भी निकलती है जिससे अभिभावक सहित नगर वासी चिंतित नजर आ रही है वहीं ऐसे समय में बेरोक-टोक टू-व्हीलर वाहन, मोटर साइकिल कार वाहनों को देखते ही कुत्ते दौड़ते और भौंकते हैं जिससे वहां चालक भयभीत अवस्था में दुर्घटना का शिकार बनता है, विकट लंबे समय से देखा जा रहा है कि नगरवासी प्रशासन को शिकायत करते है मगर इस संबंध में प्रशासन ने आज तक कोई कार्यवाही नहीं की, जिससे आवारा कुत्तों की टोली बढ़ती जा रही है। बाजार के दिनों में आसपास ग्रामों से बाजार करने ग्राम वासी जब आते है उनका पीछा करते हुए आवारा कुत्ते भी नगर में प्रवेश कर जाते है मगर वापस गांव नहीं जाते कारण की नगर के होटलों, दुकानदारों के द्वारा फेंके गए रद्दी भोजन और रद्दी खाद्य पदार्थ जो सड़कों में फेक दिया जाता है उसे खाते खाते वे आवारा कुत्ते यहीं छूट जाते है।

चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मण्डला। श्री प्रकाश निवासी ग्राम जंगलिया तहसील निवास की 15 जून 2025 को रात में सोते समय सर्पदंश से मृत्यु हो जाने के कारण, मृतक निकटतम वारसान को 4 लाख रूपए आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व निवास के द्वारा मृतक के निकटतम वारसान पत्नि क्रांति बाई के खाते में आर्थिक सहायता की राशि स्वीकृत की गई है।

स्वतंत्र पत्रकार संगठन द्वारा प्राथमिक शाला फूलबाड़ी में स्वेटर वितरण

*** स्वामी सीताराम वार्ड में बच्चों के चेहरे पर खिली मुस्कान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

स्वामी सीताराम वार्ड अंतर्गत स्थित प्राथमिक शाला फूलबाड़ी में आज स्वतंत्र पत्रकार संगठन के तत्वावधान में कक्षा पहली से पाँचवीं तक अध्ययनरत बच्चों को स्वेटर वितरित किए गए। ठंड के मौसम में मिले इस सहयोग से बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ़ दिखाई दिया। कार्यक्रम के दौरान वार्ड क्रमांक 11 की पार्षद कामिनी चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार राकेश झा, एस.पी. तिवारी, अशोक मिश्रा एवं अखिलेश अग्रवाल और कपिल वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों से संवाद किया और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया। प्राथमिक शाला फुलवारी में अध्ययनरत लगभग 35 बच्चों को स्वेटर प्रदान किए गए। स्वेटर पाकर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखने लायक थी। विद्यालय परिसर में उत्साह और अपनापन का माहौल देखने को मिला। विद्यालय की प्राचार्य अनामिका श्रीवास एवं वार्ड पार्षद कामिनी चौधरी ने इस सराहनीय पहल के लिए स्वतंत्र पत्रकार संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सामाजिक प्रयास बच्चों के मनोबल को बढ़ाते हैं और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करते हैं। विद्यालय परिवार ने भी स्वतंत्र पत्रकार संगठन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सामाजिक सहभागिता और सहयोग से ही बच्चों के भविष्य को सुरक्षित और सशक्त बनाया जा सकता है।

योजना | **दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण का हुआ शुभारंभ।**

पशु पालकों के यहां जायेंगे प्रशिक्षक

*** जिले स्तर पर कंट्रोल रूम की हुई स्थापना।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पशु पालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी जायेंगे पशु पालक के घर, पशु स्वास्थ, पशु पोषण एवं पशु नस्ल सुधार से सम्बंधित देंगे जानकारी। प्रदेश में पशुपालकों, किसानों की आय बदने व दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए पशु पालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है जिसके द्वितीय चरण का शुभारंभ 17 दिसम्बर से हो चुका है। अभियान अंतर्गत पशु पालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी पशुपालकों, किसानों के घर जायेंगे जहाँ पशु स्वास्थ, पशु पोषण एवं पशु नस्ल सुधार से सम्बंधित जानकारी देंगे।

द्वितीय चरण में प्रदेश के सभी गांवों में दुधारू पशु रखने वाले पशु पालक से सीधे संपर्क कर संवाद किया जायेगा। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक विकासखंड के एक चिकित्सक को मास्टर ट्रेनर के रूप में राज्य स्तर पर प्रशिक्षित किया गया है इन मास्टर ट्रेनर द्वारा/नोडल ऑफिसर द्वारा अपने जिले के प्रत्येक विकासखंड में सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र, अधिकारी, मैत्री, गौसेवक को दे दिया गया है।

अभियान की निगरानी के लिए जिला स्तर पर कण्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा नियमित रूप से अभियान की समीक्षा करेंगे। साथ ही राज्य स्तर जानकारी साँझा करेंगे। दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण 5-9 गौवंश एवं भैंसवंश रखने वाले पशु पालकों के यहाँ प्रशिक्षित विभागीय अमले द्वारा घर जाकर भेंट की जाएगी, साथ ही उन्हें पशु स्वास्थ्य, पशु पोषण एवं पशु नस्ल सुधार पर जागरूक किया जावेगा।

हरिभूमि
जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा
सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 889. बलराज पाठक पिता\पति स्व. एम्.आर. पाठक पता- वार्ड .न.17 मठपारा उरकुरा रायपुर, 890. आरती राजपूत पिता\पति मोहन सिंह गौतम पता - मौलश्री विहार रायपुर, 891. महेंद्र चंद्राकर पिता\पति झुमुक लाल चंद्राकर पता- खोरपा रायपुर, 892. लेखराज सोनी पिता\पति कमलेश सोनी पता- लोधी पारा पंडरी अवंती बाई चौक, 893. राजकुमारी दीवान पिता\पति माखन सिंह दीवान पता- साईं नाथ कॉलोनी कोटा रायपुर, 894. वैभव साहू पिता\पति ओम प्रकाश साहू पता- धनेली धरसीवा रायपुर, 895. लछनी देवांगन पिता\पति स्व. पुरु देवांगन पता- नंदी चौक टिकरापारा, 896. भूषण लाल साहू पिता\पति स्व. प्यारे लाल साहू पता- न्यू शांति नगर रायपुर, 897. राधिका साहू पिता\पति शंकर लाल साहू पता- टिकरापारा सुदामा नगर क्रांति चौक रायपुर, 898. रामावतार यादव पिता\पति स्व. जीवराखन यादव पता- श्याम नगर रायपुर, 899. विजय लक्ष्मी साहू पिता\पति हरिराम साहू पता- पांडुका, 900. गीता निषाद पिता\पति हेम कुमार निषाद पता- सोरिद खुर्द, 901. काव्यांश साहू पिता\पति कुलदीप साहू पता- नगरी वार्ड न. 8 नगरी, 902. कु.काव्या साहु पिता\पति चोपेंद्र साहू पता- भाठापारा मुरा, 903. उषा रामटेके पिता\पति मुरली प्रसाद दुबे पता- डोंगरगांव, 904. मुकुल कुमार श्रीवास पिता\पति कीर्तन कुमार श्रीवास पता- लाखोली राजनादगांव, 905. स्मित सेठिया पिता\पति नवीन सेठिया पता- प्रवीर वार्ड जगदलपुर, 906. कार्तिक भूरा पिता\पति गिरीश भूरा पता- केवटा पारा दीनदयाल उपाध्याय वार्ड न. जगदलपुर, 907. चिंता राम खुटे पिता\पति सुखीराम खुटे पता- बी.जे.पी ऑफिस के पीछे महासमुंद, 908. सरस्वती साहू पिता\पति राधेश्याम साहू पता- भैंसा, 909. रंजना बघेल पिता\पति टेकराम बघेल पता-आर.के .जी स्कूल के पास कोकड़ी, 910. दिव्यांश पिता\पति कमल नारायण साहु पता- घिरघोल पलारी, 911. पल्लवी साहू पिता\पति भाई राम साहू पता- दौजरी कवर्धा, 912. शकुन्तला देवी पिता\पति स्व. मगरू प्रसाद विश्वकर्मा पता- सरगीपाल कोंडागांव, 913. कृष्णा मूर्ति पिता\पति अन्कैया पता-भिलाई, 914. कैलाश देवांगन पिता\पति लक्ष्मन देवांगन पता-म.न.-5H A.V.B सेक्ट-11 भिलाई, 915. यामिनी साहू पिता\पति प्रेम लाल साहू पता- पॉवर हाउस भिलाई, 916. भूपेंद्र प्रसाद पिता\पति नथुनी राम पता- म.न.524 सड़क न.16 वार्ड न.40 भिलाई, 917. सत्यभामा पटेल पिता\पति भुवन लाल पटेल पता- खुरसुल बोरई दुर्ग, 918. तुलसी साहू पिता\पति अवध राम साहू पता- ओम नगर लोधी पारा उरला, 919. भारती अग्रवाल पिता\पति जगदीश अग्रवाल पता- न्यू बोरसी कॉलोनी, 920. तेजेस्वी साहू पिता\पति भूषण साहु पता- उरला बजरंग पारा वार्ड नंबर 58, 921. भूमिका यादव पिता\पति अनिल यादव पता-विजय नगर डीपरा पारा वार्ड न.39, 920. कुंजल साहू पिता\पति मनीष साहू पता- धनोरा सत्ती पारा दुर्ग, 921. बलराम वर्मा पिता\पति स्व भरत लाल पता- सेलूद भिलाई दुर्ग, 922. चन्दन कौमार्य पिता\पति मधेश कुमार साहु पता- जगदीश विहार धनोरा, बिलासपुर संस्करण- 923. रोहन गौरीलाल मरावी पिता/पति गौरीलाल मरावी पता- कोरबा, 924. निखिल श्रीवास पिता/पति श्रवण कुमार श्रीवास पता- कोरबा, 925. लकेश्वर साहू पिता/पति लक्षन साहू पता- कोरबा, 926. यशिका कैवर्त पिता/पति चरन लाल कैवर्त पता- बेलकछार बालको, 927. विजय लक्ष्मी सारथी पिता/पति रंजीत सारथी पता- संगम नगर बालको, 928. आरुष रंताई पिता/पति अविनाश रंताई पता- बालको, 929. वीरेंद्र कश्यप पिता/पति अशोक कश्यप नेहरू नगर बालको, 930. निकलोस केरकेटा पिता/पति सीमों केरकेटा पता- नेहरू नगर बालको, 931. प्रियंका सिंह पिता/पति सुरेन्द्र सिंह पता- दीपका, 932. मेधा राजवाड़े पिता/पति चंद्रा प्रताप राजवाड़े पता- बिरदा कोरबा, 933. रेशम लाल साहू पिता/पति पुरषोत्तम साहू पता- बेलकछार बालको, 934. प्रकाश कुमारी माहेश्वरी पिता/पति मंगल सिंह माहेश्वरी पता- चांपा कोरबा, 935. कुनिशा विश्वकर्मा पिता/पति ओमप्रकाश विश्वकर्मा पता- भिलाई चरुदा बालको, 936. नरेंद्र निर्मलकर पिता/पति बाबूलाल पता- अंबडेकर भवन पीछे बालको, 937. मंजु उपाध्याय पिता/पति दीपक उपाध्याय पता- पारसाभाटा, 938. मालती सराफ़ पिता/पति मनोहर लाल सोनी पता- राम सागर पारा कोरबा, 939. समीर कुमार सेन पिता/पति केदार नाथ पता- गजरा साइड, 940. गौरी बाई कश्यप पिता/पति सखाराम कश्यप पता- मलगाव, 941. देयन पात्रे पिता/पति अनूप कुमार पात्रे पता- शांति विहार रायपुर, 942. वीणा पारकर पिता/पति भगवती पारकार पता- होउसिंग बोर्ड शांति नगर बालको, 943. विष्णु लाकर पिता/पति खोया राम पता- कैलाश नगर बालको, 944. शुभाशीष मुखर्जी पिता/पति स्व. बी. सी. मुखर्जी पता वार्ड नंबर- 014 नमनकला अम्बिकापुर, 945. रोहित टोप्पो पिता/पति विजय पता- इंद्रपुर अम्बिकापुर, भोपाल संस्करण – 946. बिंदु पिता\पति रोशनलाल नाई पता- मकान नं.74 शिवनगर हुजूर भोपाल, 947. रोशनलाल सेन पिता\पति बाबूलाल सेन पता- नया बसेरा भोपाल, 948. रूद्रप्रताप सिंह पिता\पति राज प्रताप सिंह पता- भोपाल, 949. काजल वाघमारे पिता\पति संदीप वाघमारे पता- झुग्गी नं.31 शिव नगर जाटखेड़ी भोपाल, 950. सूरज गिरि पिता\पति संजीव गिरी पता- 180 बाग सेवनिया, 951. राजकुमार बागड़े पिता\पति नत्थूजी वागद्रेबाबा पता- नगर सी-सेक्टर शाहपुरा, 952. मो.असफाक पिता\पति मो. इसाक पता- दुर्गा नगर पंचशील नगर मकान न.181, 953. रोशनलाल पिता\पति बाबू लाल पता- नया बसेरा कोटरा, 954. राम अवतार ठाकुर पिता\पति भूमन सिंह ठाकुर पता- एच-6866 शांति प्रकाश नगर भोपाल, 955. मधु माली पिता\पति सागर माली पता- वार्ड नं 4 बैरागढ़कलां, 956. मोक्षा अहिरवार पिता\पति महेन्द्र सिंह पता- सिकरवार एच-6 भारत नगर भोपाल, 957. तुलसीदास श्रीवास पिता\पति दुलीचंद श्रीवास पता-लाल बहादुर शास्त्री वार्ड नंबर 3 कटनी, जबलपुर संस्करण - 958. सिद्ध कुमार जैन पिता\पति रजनीश कुमार जैन पता- कोतमा, 959. रजनीश कुमार जैन पिता\पति महेंद्र कुमार जैन, 960. सिद्धराज जैन पिता\पति रजनीश कुमार जैन पता- कोतमा, 961. असराज साकेत पिता\पति अशोक साकेत पता- कोतमा, 962. अर्थव जैन पिता\पति सतीश जैन पता- पाटन, 963. आयुष सोनोने पिता\पति शरद सोनोने पता- जबलपुर मंजूपथ दीक्षित पूरा, 964. विधि तिवारी पिता\पति मनीष तिवारी पता- जबलपुर, 965. डॉ.आर.सी. जैन पिता\पति गाडरवारा, 966. कंछेदी लाल जैन पिता\पति स्वर्गीय नाथू लाल जी जैन पता- कोतमा, 967. वैष्णवी यादव पिता\पति सुरेंद्र यादव पता- कटनी, 968. सुरेश चंद्र तिवारी पिता\पति रेवा प्रसाद तिवारी पता-ग्राम गनियारी पोस्ट मुड़वारा कटनी।

नियम एवं शर्तें लागू*
शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

खबर संक्षेप

वृद्धावस्था पेंशन योजना से कई पात्र वंचित, मात्र कागजों के आंकडों पर सफल होते हुये दिखाई पड़ रही सच्चाई

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। शासन द्वारा अनेक योजनायें चलाकर वृद्धों एवं गरीबों का भला करने की बात कही जा रही है वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्ध महिलाओं व पुरूषों की हालत दिन पर दिन दयनीय व पीड़ादायक होती जा रही है। बताया जाता है कि इस हेतु शासन ने वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की थी मगर देखा जा रहा है कि शासन की इस योजना को पंचायत में बैठे कर्णधारों द्वारा शासन के नियमों को अनदेखा कर पात्रजनों को इसका लाभ ना देकर अपात्रों को दिया जा रहा है और इसी प्रकार शासन की कई अन्य योजनायें भाई-भतीजावाद की शिकार हो रही हैं जिसके कारण आज भी इन वृद्धों को शासन की अनेक योजनायें चलने के बाद भी भूखों रहने की नौबत आ रही है..? शासन द्वारा वृद्धों के लिये वृद्धावस्था सुरक्षा पेंशन का फार्म निकालकर यह नियम लागू किया गया था। मगर इस योजना का लाभ अनेक निःसहाय वृद्धों को नहीं मिल पा रहा है। आम जन का आरोप है कि अधिकारियों द्वारा इन वृद्धों के आवेदनों को बिना देखे ही निरस्त कर दिया जाता हैं, विधवा महिलाओं की भी स्थिति अत्यंत दयनीय रहती है, देखने में आता है कि उन्हें भी शासन की योजनाओं से कोई फायदा नहीं मिल पाता है। क्षेत्र मंह अनेक विधवा महिलायें हैं जो परेशानियों के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रही हैं जिनका भला करने के उद्देश्य से शासन ने इस प्रकार की योजनायें शुरू की थी मगर देखा जा रहा है कि शासन द्वारा चलाई जा रही है। इस प्रकार की अनेक योजनाओं के बारे में पंचायत स्तर पर बैठे कुछ अधिकारी भाई-भतीजावाद की भेंट चढ़ाकर उन्हें पूरा कर देते हैं और पात्र हितग्रहियों को उनसे वंचित कर दिया जाता है, वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि नगर परिषदों से लेकर ग्राम पंचायतों द्वारा इन योजनाओं की राशि अनेकों माह तक बैंकों में ही पड़ी रहती है और हितग्री इस राशि को पाने के लिये भटकते रहते हैं। जिसमें प्रमुख रूप से वृद्धावस्था पेंशन योजना को लेकर अनेक वृद्ध पंचायतों के अनेक चक्कर काटने के बाद ही उन्हें यह राशि मिल पाती है, यह हाल जनपद पंचायत चावरपाठा के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में देखा जा सकता है।

सरकारी बैकों में दलालों का राज, ग्रामीणों का नहीं होता बगैर पैसों का काज

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण कस्बे में निवास करने वाले किसानों के लिए अनेक प्रकार की योजनाए चलाई जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से किसान क्रिडिट कार्ड, फसल बीमा योजना आदि शामिल है, किसानों को इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों की शाखाएं खोली गई है, मगर अक्सर देखा जाता है कि इन बैकों में बैठे अधिकारियों की मनमानी के चलते किसानों को शासन की योजनाओं का सही लाभ नही मिल पा रहा है, इसका उदाहरण इस समय शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैंक में आसानी से देखा जा सकता है, जिसको लेकर क्षेत्र के किसानों द्वारा आरोप लगाते हुए बताया है कि इन बैंकों के अंतर्गत आने वाले ग्रामों के किसान बैंक के चक्कर लगाने पर मजबूर हो रहे है? क्षेत्र के कुछ किसानों ने हमारी हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए बताया किइन दिनो क्षेत्र की बैंकों में कुछ दलाल काम कराने की दिशा में सक्रिय है, वही किसान अपना किसान क्रेरडिट कार्ड बनवाने के लिये परेशान होते देखे जा रहे है, जिसमे क्षेत्र के कुछ ग्रामीण किसान जो कि खेती किसानी कर अपनी जीविका चलाते आ रहे है। वही किसान क्रेडिट कार्ड को बनवाने के लिए गांव से चलकर शहर पहुंचता है तो अधिकारियों द्वारा उसे कार्ड बनबाने के लिए सीधे दलालों के पास जाने की सलाह दे देते है? जब वह उनके पास पहुचता है तो सीधे 10 से लेकर 20 प्रतिशत राशि की बात पर ही कार्ड बनाने की बात कही जाती है? इस स्थिति में जब किसान अधिकारियों से चर्चा करते है तो बैकों अधिकारियों द्वारा उस किसान को महिनों तक घुमा घुमाकर परेशान कर दिया जाता है।

जिला कलेक्टर ने तहसील क्षेत्र के गांवों का भ्रमण करते हुये निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, एक ट्रेक्टर में डबल ट्रालियों के संचालन पर कार्यवाही के दिये सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

मंगलबार का दिन गाडरवारा क्षेत्र के लिये विशेष रहा। क्योंकि मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के दौरान जिला कलेक्टर द्वारा स्वयं ही मौजूद रहते हुये जहां क्षेत्रवासियों की समस्यायें सुनते हुये उनके निराकरण के आदेश दिये गये। वही इसके उपरांत कलेक्टर श्रीमति रजनी सिंह द्वारा गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करते हुये विकास कार्यो का निरीक्षण किया गया। बताया जाता है कि इस तरह क्षेत्र भ्रमण के दौराना समीपस्थ ग्राम देवरी मिढ़वानी के पास जब उन्होंने देखा की गन्ना परिहवन करने वाले एक ट्रेक्टर में जिस तरह डबल ट्राली लगाते हुये परिवहन किया जा रहा है जो नियम विरूद्व होने के साथ यातायात के लिये खतरे से खाली नही है। इस तरह एक ट्रेक्टर में डबल ट्राली लगाकर चालने वाले दो ट्रेक्टरों के खिलाफ खुद के सामने ही कार्यवाही कराते हुये इस तरह के परिवहन पर रोक लगाने के लिये कार्यवाही के सख्त आदेश दिये गये है। बताया जाता है कि जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को गाडरवारा तहसील के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करने के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यो, एक बगिया मां के नाम परियोजना के अलावा धान उपार्जन केन्द्र रेवा वेयर हाउस देवरी का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अनुविभागीय अधिकारी गाडरवारा श्रीमती कलावती ब्यारे, तहसीलदार श्रीमति प्रियंका नेताम सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने नरसिंहपुर- गाडरवारा मार्ग पर निर्माणाधीन मनकवारा के रेलवे ओव्हर ब्रिज का निरीक्षण करते हुये उन्होंने सर्विस रोड को दुरूस्त और समतलीकरण करने के निर्देश दिए, ताकि आवागमन सुगम और सुचारू हो सके। वही निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानक बोर्ड लगाने और समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। नगर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण- वही कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने नगर पालिका क्षेत्र यानि की शहर में चल रहे अमृत योजनांतर्गत तालाब निर्माण कार्य, मुख्यमंत्री अधोसंरचना अंतर्गत तालाब सौंदर्यीकरण के आलवा सीएम फेस 4 के अंतर्गत निर्माणाधीन नाली निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर नपा अधिकारियो व निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी को आवश्यक निर्देश देने के साथ ही उन्होंने अन्य निर्माण कार्यो का भी औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा उन्हें अवगत कराया गया कि 1.08 करोड़ रुपये की लागत से टो वाल, स्टोन पिचिंग, डिसिल्टिंग और पॉवर ब्लॉक का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री अधोसंरचना अंतर्गत 2 करोड़ रुपये की राशि से तालाब सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि उक्त निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। ग्राम बोदरी में एक बगिया मां के नाम परियोजना का निरीक्षण किया- इसी प्रकार से समीपस्थ ग्राम बोदरी पहुंचकर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने वहां पर एक बगिया मां के नाम परियोजना का निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने मां शक्ति सेवा समूह की महिलाओं से संवाद किया। तथा मौका स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान हितग्राही रेखा बाई कहार ने बताया कि उन्हें एक बगिया मां के नाम परियोजना के तहत 1.96 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई है। इस परियोजना के तहत 40 नींबू और 10 आम के पौधे लगाए हैं। कलेक्टर को अवगत कराया कि ग्राम बोदरी में एक बगिया मां के नाम 12 परियोजनाएं स्वीकृत हैं। ग्राम खुरसीपार में नरेगा के अंतर्गत किए गए विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया- इसी प्रकार से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम खुरसीपार में नरेगा के अंतर्गत किए गए विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने नरेगा के अंतर्गत बनाए गए तालाब, मुक्तिधाम तक सड़क निर्माण व पौधरोपण के कार्यों का जायजा लिया। गन्ने की डबल ट्राली ले जाते समय दो ट्रेक्टर चालकों पर हुई चालानी कार्रवाई- कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गाडरवारा तहसील के अंतर्गत सांईखेड़ा- देवरी पास मुख्य मार्ग से गन्ने की डबल ट्राली ले जाते दो ट्रेक्टर चालकों पर अपने समक्ष चालानी कार्रवाई पुलिस के माध्यम से करवाई गई। इस दौरान उन्होंने टीआई सांईखेड़ा को निर्देशित किया कि सड़क दुर्घटनाओं रोकने के उद्देश्य से गन्ना की डबल ट्राली ले जाने वाले ट्रेक्टर चालक के विरूद्ध चालानी कार्रवाई करें। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने धान उपार्जन केन्द्र रेवा वेयर हाउस देवरी का निरीक्षण करने के साथ उन्होंने अब तक हुई खरीदी और भंडारण आदि की जानकारी लेते हुये निर्देश दिए कि राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन कर खरीदी का कार्य सुचारू रूप से करें। किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका ध्यान रखें। किसानों से एफएक्यू गुणवत्ता का ही धान खरीदा जावे। उन्होंने यहां खरीदे गए धान का सैंपल भी देखा जावे।

सांईखेड़ा में गौवंश हत्याकांड को लेकर गौसेवा मण्डल ने ज्ञापन सौंपते हुये की गई कार्यवाही की मांग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

समीपस्थ सांईखेड़ा के वार्ड क्रमांक 8 में जिस तरह गौवंश की गर्दन कटाते हुये हत्या की घटना को अंजाम दिये जाने से अब आक्रोश की चिंगारी संपूर्ण क्षेत्र में फैलते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है। इस घटना को लेकर आमजन द्वारा जिस तरह प्रशासन की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली पर आरोप लगाते हुये कहा जा रहा है कि बीते हुये माह नगर गाडरवारा के डमरूघाटी के पास एक दर्जन गांवों की मौत घटना के आरोपियों के खिलाफ प्रशासन की ओर से कार्यवाही न होने का परिणाम है कि इस तरह की घटनाओं में इजाफा होते हुये दिखाई देने लगा। बीते हुये माह नगर के समीप शिवधाम के पास एक दर्जन गौवंश की मौत को लेकर आमजन का आरोप है कि भले ही वह घटना को समय निकलने के साथ लोग भुलाते जा रहे है। मगर गौवंश की मौत के जिम्मेदार इस करतूस को भले की लिफाफो के बल बूते पर आवाज उठाने वालों को चुप रहने के लिये मजबूर करने में सफल हो जावे। मगर गौवंश बस की मौत की सच्चाई उनकी आने वाली अनेक पुस्तों को माफ नही करेगी...? क्योंकि उस घटित घटना पर प्रशासन द्वारा बरती गई सुस्ती के चलते इस तरह की घटनाये जन्म लेते हुये दिखाई देने लगी है जिसकी सच्चाई सांईखेड़ा क्षेत्र में देखने मिली है। जहां पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा गौवंश के बछड़े को बेरहमी के साथ गला काटते हुये दहशत फैलाने की सोच के चलते खुले मैदान में डाल दिया गया और शरीर के शेष भाग को गायब कर दिया गया। धूनी नगर में घटित हुई इस घटना का सांईखेड़ा के बाद अब जहां तहां विरोध होते हुये दिखाई देना शुरू हो चुका है। इसी के चलते बीते हुये दिवस नगर के गौसेवा मंडल द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हुये नगर निरीक्षक विक्रम रजक व तहसीलदार प्रियंका नेताम को अनुविभागीय अधिकारी के नाम ज्ञापन सौपा गया। इस घटना से जहां धार्मिक सौहार्द भी प्रभावित हुआ वही दूसरी ओर लोगों की भावनाओं को भी ठेंस पहुंचने से नही चूक पाई है। ज्ञापन सौपने के दौरान गौ भक्त सोनू पटैल ने कहा कि अगर जल्द ही गौवंश की हत्या करने वाले आरोपी की खोज करते हुये कार्यवाही नही हुई तो गौसेवा मंडल आंदोलन जैसे कदम उठाने के लिये मजबूर होगा। इस दौरान मुख्य रूप से दिनेश गुर्जर, सोनू पटैल, कपिल रजक, मुकेश बसेड़िया, महेंद्र भार्गव, शिवम रूसिया कुलदीप तिवारी, पलाश सूर्यवंशी, अन्नू कश्यप, महेश छीपा, सचिन सोनी, राकेश कुशवाहा, राजदीप दुबे, हर्षित रूसिया, सुमित सोनी, कार्तिक खटीक सहित अनेक गौभक्त मौजूद थें।

सालीचौका क्षेत्र में चल रहे मिट्टी के अवैध खनन व परिवहन को लेकर चुप्पी सवाल खड़े करने के साथ संरक्षण की मुद्रा में हो रही प्रतीत...?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जहां एक ओर शासन ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा माफियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के आदेश जारी किये जा रहे है तो दूसरी ओर खुलेआम हो रहे शासकीय भूमि के अवैध उतखन्न को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा चुप्पी साधते हुये सच्चाई को नजर अदांज किया जा रहा है वह निश्चित तौर से इन अधिकारियों कार्य प्रणाली को संरक्षण की मुद्रा में आने से नही चूक पा रही है..? क्योंकि इस समय जिस तरह सालीचौका क्षेत्र में देखा जा रहा है कि लगातार मिट्टी का अवैध खनन करते हुये लोगों द्वारा राजस्व को क्षति पहुंचाते हुये अपनी जेबे भरने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि इस सच्चाई को प्रशासन के जिम्मेदारों द्वारा नजर अंदाज किया जाना चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है? इस बात की सच्चाई इस समय सालीचौका नही सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है जहां पर भूमाफियों द्वारा खुलेआम शासकीय भूमि से मिट्टी खुदाई कराते हुये जिस प्रकार से इस जहां तहां मौत का कुंआ बनाये जा रहें है उसके चलते क्षेत्रवासियों का भविष्य में खतरा पैदा करने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? बताया जाता है कि सालीचौका क्षेत्र सहित आसपास के गांवों में सरकारी भूमि सहित कुछ लोगों द्वारा निजी भूमि पर बड़े स्तर से मिट्टी का अवैध खनन करते हुये अन्य जगहों पर ट्रेक्टर ट्रालियों के माध्यम से परिवहन किये जाने के बाद भी अधिकारियों की चुप्पी सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही है..? शासकीय जमीन पर जेबीसी मशीन के माध्यम से जिस स्तर से मिट्टी की खुदाई करते हुये प्रतिदिन सैकड़ो ट्रेक्टरों के माध्यम से इस मिट्टी का परिवहन किया जा रहा है उसके चलते जहां तहां मौत के कुंआ नजर आने से नही चूक रहे है। क्षेत्र का हाल इस तरह से देखने मिल रहा है कि मिट्टी खनन वालो द्वारा न तो बिजली लाईनों की सुरक्षा का ध्यान रखा जा रहा है और न ही मुख्य मार्गो से लेकर किसानों के खेतों का जिसके चलते बिजली लाईनों के खम्बे भी असुरक्षित दिखाई देने लगे है। इस तरह सालीचौका क्षेत्र में नियम विरूद्व मिट्टी खुदाई कराते हुये कुछ लोगों द्वारा इस मिट्टी का अवैध व्यापार किये जाने की चर्चाए सुनाई पड़ रही है..? इस तरह कई फुट गहरी खुदाई करते हुये निकाली जा रही शासकीय सरकारी व निजी भूमि की मिट्टी के चलते जहां क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों सहित पशुओं की जिन्दगी को खतरा पैदा तो हो ही रहा है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी भी असुरक्षित दिखाई देने से नही चूक पा रही है। सालीचौका क्षेत्र में चल रहे मिट्टी के अवैध खनन के संबंध में तहसील स्तर से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों सहित खनिज विभाग के अधिकारियों को इस तरह चल त चल रहे अवैध खनन से अवगत कराते हुये पूछा जाता है कि आखिरकार इस तरह मिट्टी का अवैध खनन किसकी अनुमति से चल रहा है तो अधिकारियों द्वारा अपनी ओर से अनविज्ञता जाहिर करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है..?

मुख्य सड़क पर निर्माण सामग्री रखते हुए लोगों की जिंदगी के साथ की जा रही खिलवाड़ प्रशासन बैठा मौन

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया।

जहां एक ओर आये दिन पुलिस प्रशासन के साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा यातायात व्यवस्था सुचारू बनाने के नाम पर कार्यवाही की जाती है, इतना ही नली पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को देखा जाता है कि जब कोई वाहन चालक अपने वाहन को सड़क किनारे खड़े करते हुए किसी दुकान पर सामन लेने के लिए जाता है तो पुलिस द्वारा उसके वाहन की या तो हवा निकाल दी जाती है या फिर उसे थाने में पहुंचाते हुए चालानी कार्यवाही करते हुए कहा जाता है कि उनके द्वारा यातायात व्यवस्था बनाई जा रही है? मगर जब देखा जा रहा है कि प्रदेश स्तर की स्टेट हाइवे माने जाने वाली मुख्य सड़क पर ही लोगों द्वारा अपने स्वार्थ के चलते अतिक्रमण करते हुए निर्माण सामग्री रखते हुए आम लोगों की जिन्दगी के साथ खुलेआम खिलवाड़ की जा रही है उसे लेकर प्रशासन द्वारा मूक बना होना जहां चर्चा का विषय बना हुआ है, वही पुलिस प्रशासन के साथ साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता का खुला प्रमाण देते हुए जान पड़ रहा है? इस संबंध में बताया जाता है कि जबलपुर से प्रदेश की राजधानी को जोड़ने वाला मुख्य स्टेट हाइवे मार्ग ग्राम कौड़यिा के बीचो बीच से निकला हुआ है, जिस पर 24 घंटे छोटे से लेकर बड़े वाहनों का निकलना होता रहता है कभी कभी तो स्थिति इस प्रकार से बन जाती है कि इस सड़क पर यातयाता का दबाव अधिक होने के कारण जाम जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है? इसके बाद भी नगर के राजीव चौक के पास कुछ लोगों द्वारा अपने स्वार्थ के चलते मुख्य सड़क किनारे ही अतिक्रमण करते हुए भवन निर्माण सामग्री रख दी गई जिसके चलते जहां यातायात में परेशानियों का सामना तो करना ही पड़ रहा है, वही दूसरी ओर जब कोई वाहन यहां से निकलता है तो यह गिट्टी उचट जाने के कारण लोगों की जिन्दगी के लिए खुलेआम खतरे की घंटी बाजते हुए जान पड़ती है? अक्सर देखा जाता है कि छोटे वाहन चालक तो जब इस मार्ग से गुजरते है तो सड़कों पर रखी हुई निर्माण सामग्री के चलते उनके वाहन स्लिप हो जाने से वह लोग गिरने से भी नही बचते है? वही दूसरी ओर अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भी इस मार्ग से दिन में गई बार गुजरना होता है उनके द्वारा भी इस प्रकार से मुख्य सड़क पर जबरन निर्माण सामग्री रखते हुए किया गया अतिक्रमण दिखाई नही देने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? इस स्थिति को देखते हुए जहां वाहन चालक परेशान हो रहे है, वही दूसरी ओर पुलिस प्रशासन के साथ साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता का प्रमाण भी दिखाई दे रहा है।

फसल अवशेष पतरोई- नरवाई प्रबंधन की मशीनों का निरीक्षण करते हुये आपसी आपसी समन्वय के साथ उचित प्रबंध पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

क्षेत्र के भ्रमण पर निकली जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को गाडरवारा के समीप डमरू घाटी स्थल पर संजय स्ट्रा बेल एग्रीगेटर द्वारा किए जा रहे फसल अवशेष पतरोई- नरवाई प्रबंधन की मशीनों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उप संचालक कृषि मोरिस नाथ व अन्य अधिकारी- कर्मचारी भी मौजूद थे। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि संजय बेल एग्रीगेटर, कृषि विभाग, शुगर मिल और किसान आपसी समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक फसलों के अवशेषों का उचित प्रबंध करें, ताकि आगजनी की घटनाएं पर अंकुश लगाया जा सके और साथ ही अधिक से अधिक फसल अवशेषों का प्रबंध किया जा सके। एग्रीगेटर के संजय ने कलेक्टर श्रीमती सिंह को बताया कि उनकी 20 कम्पलीट यूनिट गाडरवारा क्षेत्र में निरंतर रूप से संचालित है। साथ ही 10 यूनिट और बुलाई जा रही है। किसानों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जा रहा है। इन मशीनों के माध्यम से फसल अवशेषों के रोल एवं गट्ठे बनाए जाते हैं, जिससे किसानों को अपनी फसल के अवशेषों में आग नहीं लगानी पड़ती और पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार भैयालाल आत्मज कालूराम लोधी, निवासी ग्राम सहावन, तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर ;म.प्र. के मालिकी काबिजी की आवादी भूमि स्थित प्लाट 383/1 के भूखण्ड क्रमांक 503 में बना कच्चा खपरेल मकान के संबंध में अनावेदक द्वारा आम सूचना दैनिक समाचार पत्र हरिभूमि में दिनांक 15/12/2025 को इश्तहार प्रकाशित कराया है कि उक्त प्लाट व मकान अनावेदक के कब्जे में है, जिसमें उसका 1/3 हक व हिस्सा निहित है जो की सर्वथा सफेद झूठ व गलत है। मेरे पक्षकार भैयालाल लोधी द्वारा सुखराम एवं देवी सिंह के हिस्से का मकान व जगह सहित आज से लगभग 24.25 वर्ष पूर्व क्रय कर लिया है। जिसमें अनावेदक का कोई हक शेष नही है। अनावेदक के द्वारा अपनी पत्नी व स्वयं के नाम से ड्रोन सर्वे के समय फर्जी नाम दर्ज करवा लिया है जो कि गलत है जिसकी जानकारी मेरे सायल को कभी नहीं रही मेरे सायल उपरोक्त वर्णित भूखण्ड में बने मकान जिसकी चतुर्सीसमाएं पूर्व में शासकीय रास्ता, पश्चिम में कंछेदीलाल का मकान, उत्तर में दुर्गा प्रसाद व नरेश का मकान व निस्तारी भूमि एवं दक्षिण तरफ प्रहलाद लोधी का मकान स्थित है। जिस पर अनावेदक का कोई हक व अधिकार नही है। अपूर्ण व एवं वास्तविक तथ्यों से परे इश्तहार प्रकाशन कराया है जिसे खण्डित कराये। अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। जिसमें होने वाले हर्जा खर्चा व नुकसानी की जिम्मेदारी आपकी रहेगी।

स्थान. गाडरवारा
दिनांक. 17/12/2025
एम.आर. चौधरी अधिवक्ता
सिविल कोर्ट गाडरवारा
मो. 9926442421

सीईओ और जिला पंचायत अध्यक्ष के बीच विवाद, अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज

दोनों ने लगाये अभद्रता के आरोप, जिला पंचायत कार्यालय में हुआ था विवाद

डिंडोरी।

जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्ते और सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी के बीच विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर अभद्रता के आरोप लगाकर पुलिस में शिकायत की है। सीईओ की शिकायत पर कोतवाली में जिला पंचायत अध्यक्ष के विरुद्ध धारा 221, 224, 296, और 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पूरे मसले पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने भी पुलिस से शिकायत की है और धरने पर बैठ गये हैं। जानकारी के मुताबिक एक बगिया माँ के नाम योजना में बरती जा रहीं अनिमितताओं को लेकर बुधवार को सीईओ दिव्यांशु चैधरी ने फोन करके जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते को अपने चेम्बर में आमंत्रित किया था। इसी बीच दोनों के बीच जमकर कहा सुनी हो गई, दोनों ने एक दूसरे पर गाली गलौज के आरोप लगाये हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते के मुताबिक उन्होंने एक बगिया माँ के नाम योजना में बरती जा रहीं गड़बड़ियों को लेकर मंगलवार को स्वसहायता समूह की महिलाओं के साथ कलेक्टर को लिखित शिकायत की थी और सप्लाई किये गये अमानक पौधों को दिखाया भी था। इस बाबद चर्चा हेतु सीईओ दिव्यांशु चैधरी ने उनको कार्यालय बुलाया था। आरोप है कि कथित भ्रष्टाचार को छुपाने सीईओ ने जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ अभद्रता कर डाली। जबकि इस संबंध में पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी ने बतलाया कि वह बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में विधिवत शासकीय कर्तव्य निर्वहन कर रहे थे, इसी दौरान समय लगभग 12:15 बजे जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्ते द्वारा मेरे कक्ष पर उपस्थित होकर जानबूझकर एवं दुर्भावनापूर्ण आशय से निर्माण कार्यों में जल्दी राशि जारी कराने हेतु दबाव बनाने लगे, जबकि मैंने पूर्व में इस संबंध में चर्चा करने हेतु दिनांक 22 दिसंबर 2025 को नियत की है। जिसके बारे में जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्ते को मेरे द्वारा अवगत करा दिया गया था, आरोप है कि इन सब के बावजूद भी जिला पंचायत अध्यक्ष ने सीईओ के साथ गाली गलौच करके धमकी दी। सीईओ ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि रूदेश परस्ते की इस हरकत को सुनकर कार्यालय के अधीनस्थ कर्मचारी कौशल किशोर धुर्वे, सुधीर कुमार चौरसिया, प्रवीण कुमार गुप्ता, फूलचंद यादव, जीपी चौधरी, भागीरथ प्रसाद यादव, पंचम लाल बरमैया, जगमोहन यादव एवं अन्य लोग भी आ गए तब भी जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्ते आक्रोशित होकर बदतमीजी और गाली-गलौज करते रहे। सीईओ दिव्यांशु चौधरी ने इस घटनाक्रम को व्यक्तिगत प्रतिष्ठा धूमिल होना करार दिया है पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत करते हुए कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है।

अध्यक्ष ने आरोपों को नकारा

पूरे मसले पर जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्ते ने अपना पक्ष रखते हुए गाली गलौज करने के आरोपों को सिरे से खारिज किया है और अपने दलील की पुष्टि हेतु सीसी टीवी के फुटेज के अवलोकन की मांग की गई है। उन्होंने बगैर सीसीटीवी फुटेज परीक्षण किये ही दर्ज की गई एफआईआर को साजिश करार दिया है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने विरुद्ध दर्ज मामले को आदिवासी नेतृत्व के दमन के रूप में बतलाया है। वहीं जिन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है उस पर भी उस पर प्रतिक्रिया देते हुए बतलाया कि सीईओ जिला पंचायत के आमंत्रण पर ही कार्यालय पहुंचे थे, ऐसी स्थिति में मामला दर्ज करना गैर संवैधानिक है।

एक दिन पहले जि.पं. अध्यक्ष ने की थी कलेक्टर से शिकायत

गौरतलब है कि एक बगिया मां के नाम योजना में सप्लायर द्वारा प्रदाय किये जा रहे अमानक पौधों को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्ते और समूह की महिलाएं कलेक्टर के समक्ष पहुंची थी। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ने लिखित शिकायत करते हुये पौधों के साथ अन्य सामग्री सप्लाई में मानदंड और प्रक्रिया का पालन नहीं करने के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। जिसके बाद मंगलवार को यह शिकायत विवाद में तब्दील हो गई है।

राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना बांध को निरस्त करने की मांग, डूब प्रभावित क्षेत्र के किसान पहुंचे कलेक्ट्रेट, डिप्टी कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन

डिंडोरी।

जिले में नर्मदा नदी पर प्रस्तावित राघोपुर बहुउद्देशीय परियोजना के डूब प्रभावित क्षेत्र के किसानों ने बांध निर्माण को निरस्त करने की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा बुधवार को डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में लेख किया गया कि जिले में राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना से डूब प्रभावित क्षेत्र पूर्णतः अनुसूचित क्षेत्र है। जहां संविधान के अनुच्छेद 244 (1) के तहत संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। अनुसूचित क्षेत्र में ग्राम वासियों की सहमति के बगैर नर्मदा नदी में राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना के निर्माण से संबंधित धारा 11, 12 से लेकर धारा 21 तक शासन प्रशासन द्वारा लागू कर दी गई है। इसी के विरोध में क्षेत्र के डूब प्रभावित किसानों द्वारा समय-समय पर आवेदन, ज्ञापनों के माध्यम से शासन प्रशासन को अवगत कराया जाता रहा है, बावजूद इसके प्रशासन की ओर से अभी तक किसी भी प्रकार की कोई पहल नहीं की जा रही है, और न ही डूब प्रभावित किसानों के साथ किसी प्रकार का संवाद किया गया है। ग्रामीणों द्वारा गैर कानूनी तरीके से बांध का निर्माण किए जाने का आरोप लगाया गया है।

महापंचायत का किया गया आयोजन

ज्ञापन में बताया गया कि राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना किसान संघर्ष समिति द्वारा 17 दिसंबर 2025 को उक्त परियोजना के विरोध में जन संवाद महापंचायत का आयोजन विकासखण्ड डिण्डौरी के ग्राम मुड़ियाकला धर्मशाला के पास आयोजित कर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जा रहा है। ज्ञापन में बतलाया गया कि परियोजना निर्माण क्षेत्र पूर्णतः अनुसूचित क्षेत्र है प्रभावित किसान 99 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति व एक प्रतिशत अन्य वर्ग के किसान है। परियोजना निर्माण प्रस्ताव भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्था में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता अधिनियम 2013 की धारा 41 का उल्लंघन किया गया है। इन क्षेत्रों में संविधान की पांचवी अनुसूची लागू है। अनुसूचित क्षेत्र में परियोजना निर्माण के प्रस्ताव के पूर्व प्रभावित या विस्थापन होने वाले ग्रामों की ग्राम सभाओं से सहमति नहीं ली गई जो संविधान का उल्लंघन है।

सभी ग्राम सभाओं द्वारा प्रस्ताव किया गया है पारित

ज्ञापन में लेख किया गया कि मध्यप्रदेश सरकार ने पेसा नियम बनाकर लागू किया जो इन क्षेत्रों में विद्यमान है। राघोपुर बहुउद्देशीय परियोजना से प्रभावित सभी ग्रामों की ग्राम सभाओं में बांध को निरस्त करने का प्रस्ताव पारित किया है। ग्राम सभाओं की विशेष शक्तियों का निर्वहन करते हुए भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा 2013 में दिए गये एक फैसले में विशेष रूप से कहा गया है कि किसी भी प्राधिकारियों को ग्राम सभाओं द्वारा दिए गए सुसंगत निर्णय के विरोध, कार्यवाही करना, ग्राम सभाओं एवं उच्चतम न्यायालय की अवमानना होगी। राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना में भारत की सबसे बड़ी जनजाति गोड़ एवं ग्रामों में सभी वर्ग के किसान निवास करते है। उनके ग्राम देवी देवताओं के स्थान डूब जाएंगे। इन ऐतिहासिक स्थलों के जलमग्न होने से डूब क्षेत्र में आने वाली 70 हजार गोंड जनजाति की आस्था को ठेस पहुंचेगी। बतलाया गया कि यह क्षेत्र भूकंप भूगर्भीय है और जैव विविधता से परिपूर्ण है। किसानो ने बताया कि आजादी के बाद से भारत के विकास में आदिवासी समाज सबसे ज्यादा विस्थापन हुआ है। देश में यह आंकड़ा 4 से 6 करोड़ का है। इन विस्थापितों से एक दिन आदिवासी जल, जंगल, जमीन से हटकर किताबों के पन्ने में दिखाई देगा।

मंत्री विजय शाह के विवादित बयान पर महिला कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी। भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा लाडली बहनों को दी गई धमकी के विरोध में महामहिम राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव संतोषी रामजी साहू के नेतृत्व में महिलाओं ने कलेक्ट्रेट पहुँच सौंपा। महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव संतोषी रामजी साहू ने कहा कि भाजपा के मंत्री विजय शाह ने फिर एक बार फिर ये दर्शा दिया की उन्होंने लाड़ली बहनो के प्रति उनके मन में कितना सम्मान है महिलाओं को लेकर हाल ही में विकास सलाहकार समिति की रतलाम में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि लाडली बहना मुख्यमंत्री का सम्मान नहीं करती है तो उनकी योजनाओं में लाडली बहनो के नाम जाच करके पेंडिंग में डाल दिया जाएगा या हटा दिया जाएगा। महिलाओं के प्रति मंत्री विजय शाह कि यह मानसिकता समय-समय पर निकल कर आती है कुछ ही महीने पहले हमारे देश की बेटी सोफिया कुरेशी जी जिनकी वजह से ऑपरेशन सिंदूर सफल हुआ उनके लिए जो गलत टिप्पणी कि यह आप सभी पूरा देश जानता है कि उन्होंने क्या कहा था एक बार फिर उन्होंने अपनी भाषा से यह दर्शाया की महिलाओं के प्रति उनका कितना सम्मान है, ज्ञापन में लेख किया गया है कि यह जो पैसा लाडली बहनों को दिया जा रहा है, यह जनता का पैसा है जनता में बांटा जा रहा है मांग की गई है कि विजय शाह आप सार्वजनिक रूप से लाडली बहनों से माफी मांगे। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि मध्यप्रदेश भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह ने कथित तौर पर बैठक में धमकी दी है, कि अगर लाड़ली बहना योजना की लाभार्थी महिलाएं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का सम्मान नही करती हैं, तो उनकी मासिक सहायता राशि नहीं बढ़ाई जाएगी और उनकी पात्रता की जाँच 'पेंडिंग' कर दी जाएगी। इस अवसर पर राधे लाल नागवंशी, अजय चंदेल, गुलवसिया बाई, अमरपुर ब्लाक अध्यक्ष प्रतिमा सांडिया, पंकज यादव, तृप्ति परस्ते, प्रेमलता, तारा बरकड़े, सुमन धुर्वे, उर्मिला भावेदी, लक्ष्मी ठाकुर, राधा शर्मा एवं अन्य महिला कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहण की गई भूमि का नहीं मिला मुआवजा, किसानों ने कलेक्टर से की शिकायत

डिंडौरी।

तहसील शहपुरा अंतर्गत ढोंढा गांव में 12 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्राम सडक निर्माण के लिए अधिग्रहीत की गई भूमि का अब तक मुआवजा नहीं मिला है परेशान किसानों ने कलेक्टर से शिकायत करते हुये अधिग्रहित भूमि का मुआवजा दिलाये जाने की मांग की है। शिकायतकर्ता प्रीतम पिता रामदास गौड़ एवं जमुना बाई पति रामदास गौड़ निवासी ढोंढा ने शिकायत में बतलाया कि पटवारी हल्का नंबर 35 राजस्व निरीक्षक मंडल एवं तहसील शहपुरा में स्थित भूमि खसरा नम्बर 63/6 रकवा 0.18 हेक्टेयर भूमि उनके निजी स्वामित्व के तौर पर राजस्व रिकार्ड में दर्ज है जिसमें वह कृषि कार्य करते आ रहे थे लेकिन प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजने अंतर्गत सड़क निर्माण के लिए लगभग 10 से 12 वर्ष पूर्व उनकी उपजाऊ भूमि को अधिग्रहण कर सड़क का निर्माण कर लिया गया किसानों ने बतलाया कि इस दौरान उनसे सहमति भी नहीं ली गई और जानकारी भी नहीं दी गई थी।

इस बावद उनकों वर्ष 2024 में सीमांकन के दौरान जानकारी लगी कि उनके स्वामित्व की अंष भूमि प्रधानमंत्री ग्राम सडक निर्माण में अधिग्रहीत कर ली गई है। जिस एवज में उन्हें मुआवजा भी नहीं दिया गया है, इस संबंध में जब पटवारी से संबंध स्थापित किया गया तो सलाह दी गई कि मुआवजा राशि प्राप्त करने के लिए कलेक्टर सहित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को आवेदन प्रस्तुत करें। किसानों द्वारा पटवारी की सलाह के मुताबिक 22 अक्टूबर 2024 को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शहपुरा को आवेदन प्रस्तुत किया गया था लेकिन अब तक कार्रवाई नदारद है। इसी तरह ढोढा निवासी सुकरू पिता परसू गौड़, के द्वारा भी आरोप लगाया गया कि उसके स्वामित्व की भूमि पटवारी हल्का नंबर 35 राजस्व निरीक्षक मंडल शहपुरा में स्थित भूमि खसरा नम्बर 63/5 रकवा 0.17 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में उसके नाम पर दर्ज है जिसे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क निर्माण के दौरान अधिग्रहण कर लिया गया है लेकिन मुआवजा राशि प्रदान नहीं की गई है। किसान ने बतलाया कि सीमांकन के दौरान पटवारी के माध्यम से जानकारी लगी कि उसकी भूमि में सडक का निर्माण कर लिया गया है लेकिन मुआवजा राशि प्रदान नहीं किया गया है। मुआवजा राशि प्रदान करने के लिए उसके द्वारा भी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शहपुरा को आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास भवन दीवार में आयी दरार

अमरपुर। विकासखंड मुख्यालय अमरपुर में संचालित कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास जोकि वर्ष 2006 से संचालित हैं। जिसका भवन निर्माण तभी से प्रारंभ हो चुका था। जिस भवन निर्माण का कार्य ग्रामीण यांत्रकीय सेवा संभाग डिंडौरी को सौंपा गया था। परंतु दो पंचवर्षीय योजना बीत जाने पर भी पूर्ण नहीं किया जा सका था। जिस अपूर्ण भवन को ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा मरम्मत कार्य कराया जाकर विभागीय गतिविधियां संचालित की जा रही थी। परंतु विभाग द्वारा वापस लेते हुए कन्या छात्रावास का संचालन होने लगा। शिक्षा विभाग द्वारा कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास के लिए नया भवन स्वीकृत किया गया हैं। जिस भवन निर्माण की कार्य एजेंसी पुलिस हाउसिंग बोर्ड होने की जानकारी प्राप्त हुई हैं। निर्माण स्थल पर किसी भी प्रकार का सूचना पटल नहीं लगाया गया हैं। जिससे अन्य जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी हैं। इसके साथ ही कार्यस्थल पर कोई जवाबदार व्यक्ति नहीं मिले। उक्त भवन का निर्माण कार्य निम्न स्तर का हो रहा हैं। जिसकी दीवार में अभी से ही दरार साफ दिखाई देने लगे हैं। जिस भवन की शुरुआत कमजोर और कुपोषित हो उसका भविष्य क्या होगा सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता हैं। उपयंत्री द्वारा भी निर्माण कार्य का निरीक्षण नहीं किया जाता। तो फिर तकनीकी मार्गदर्शन का सवाल ही उत्पन्न नहीं होता। उक्त भवन की लागत की जानकारी ब्लॉक श्रोत समन्वयक को भी नहीं हैं। और ना ही ठेकेदार का पता हैं। भवन निर्माण में कोताही बरतना मतलब छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ ही कहा जा सकता हैं।

एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा ने बीएलओ सुपरवाईजर व पटवारियों की ली समीक्षा बैठक

शहपुरा। शहपुरा तहसील सभागार कक्ष मे एसडीएम शहपुरा एश्वर्य वर्मा ने बुधवार के दिन बीएलओ सुपरवाईजर व पटवारियो की समीक्षा बैठक ली इस बैठक के दौरान सभी बीएलओ सुपरवाईजर को निर्देशित किया गया कि फार्म 6 ,7,8 में प्रगति लाये एवं मतदाता सूची का ड्राफ्ट रोल निर्धारित समयावधि में प्रकाशित करने के पश्चात प्राप्त दावा आपत्तियो का निराकरण निर्वाचन आयोग के द्वारा दी गई समय सीमा में पूर्ण करने हेतू विस्तृत रूप रेखा तैयार की गई ,साथ ही पटवारियो की साप्ताहिक राजस्व समीक्षा बैठक में फार्मर रजिस्ट्री,पीएम किसान केवाईसी पूर्ण करने ,राजस्व न्यायालय से संबधित प्रकरणो में समय सीमा में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने ,एवं सीमाकंन के लिए प्राप्त आवेदन को समय सीमा में पूर्ण करने के लिए सख्त निर्देश दिये गये जिससे न्यायालय से संबंधित कार्यों में कृषकों को किसी प्रकार की समस्या न हो ।

पंखिनी कार्यक्रम के तहत पुलिस भर्ती हेतु स्क्रीनिंग एवं फिजिकल ट्रेनिंग का शुभारंभ

डिंडौरी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जिले में संचालित पंखिनी कार्यक्रम – सपनों को दो पंख के तहत बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में 18 दिसंबर को प्रातः 11:00 बजे से पुलिस भर्ती हेतु स्क्रीनिंग एवं फिजिकल ट्रेनिंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया जा रहा है।यह कार्यक्रम पुलिस ग्राउंड डिंडौरी एवं शाहपुरा स्थित रानी दुर्गावती स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडौरी पुलिस ग्राउंड में लगभग 300 बालिकाएँ तथा शाहपुरा रानी दुर्गावती स्टेडियम में लगभग 150 बालिकाएँ पुलिस भर्ती हेतु फिजिकल ट्रेनिंग में उपस्थित होंगी।कार्यक्रम में पुलिस भर्ती हेतु आवेदन कर चुकी बालिकाएँ उत्साह के साथ सहभागिता कर रही हैं। सभी पंजीकृत अभ्यर्थियों को पूर्व से ही प्रशिक्षण में उपस्थित होने की सूचना प्रदान की जा चुकी है।प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को पुलिस विभाग, खेल (स्पोर्ट्स) विभाग एवं शिक्षा विभाग के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा पुलिस भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा को ध्यान में रखते हुए स्क्रीनिंग, दौड़, लंबी कूद, ऊँची कूद एवं अन्य आवश्यक फिजिकल अभ्यासों का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदोरिया ने कहा कि,"पंखिनी कार्यक्रम के माध्यम से जिले की बेटियों को आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है। पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही बालिकाओं के लिए यह प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। इस तरह के प्रयासों से निश्चित रूप से बेटियों का भविष्य उज्ज्वल होगा।"कार्यक्रम को लेकर बालिकाओं में अत्यधिक उत्साह देखा जा रहा है। यह पहल जिले में नारी सशक्तिकरण एवं बेटियों को समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक प्रभावी कदम सिद्ध हो रही है।

युवा संगम रोजगार मेले में 127 आवेदक हुए शामिल, 74 आवेदकों का प्रारंभिक चयन

डिंडौरी । शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय डिंडौरी में मंगलवार को युवा संगम रोजगार मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। युवा संगम रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा शासकीय आईटीआई डिंडौरी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। रोजगार मेला में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 127 आवेदक पहुंचे। निजी क्षेत्र की 5 प्रतिष्ठित कंपनियों ने इसमें भाग लेकर उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत 74 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया है। ये चयनित अभ्यर्थी आगे की प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद नियुक्ति के लिए पात्र होंगे। रोजगार मेले में वर्धमान यार्न मण्डीदी भोपाल के 21, क्रेडिट एक्सेस लिमिटेड के 02, क्वेस कॉर्प (टाटा मोटर्स) के 08, प्रामाकोष लिमिटेट के 02 एवं कैरोस सिक्योरिटी प्राईवेट लिमिटेड के 41 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया। युवा संगम रोजगार मेला युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। जिला प्रशासन द्वारा ऐसे आयोजन भविष्य में भी किए जाने की जानकारी दी गई है।

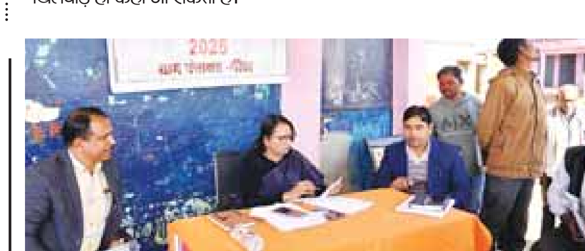

धरती आबा योजना अंतर्गत कलेक्टर ने गांवों में लगाई चौपाल

डिंडौरी । भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना "धरती आबा" के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने प्रशासनिक अमले के साथ ग्राम पंचायत मझियाखार एवं ग्राम पंचायत गीधा में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। चौपाल के दौरान कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने ग्रामीणों से वन-टू-वन चर्चा कर उनकी व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं की जानकारी ली तथा कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया। उन्होंने बताया कि धरती आबा योजना के अंतर्गत गांव-गांव सर्वे कराया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुसार आवास, सड़क, डेम, रास्ता, सीसी रोड, आंगनवाड़ी, सामुदायिक भवन, पंचायत भवन, स्कूल सहित अन्य विकास कार्यों को चिन्हित किया जा रहा है।कलेक्टर ने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की मांग एवं आवश्यकता के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना है। इसी उद्देश्य से वे स्वयं गांव पहुंचकर चौपाल के माध्यम से आमजन से संवाद कर रही हैं। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने ग्रामीणों से अपील की कि शासन द्वारा कराए जा रहे सर्वे में अनिवार्य रूप से फार्म भरें एवं सही व पूर्ण जानकारी प्रदान करें, ताकि गांवों में लंबित एवं आवश्यक कार्यों को योजना के अंतर्गत शामिल कर समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जा सके। उन्होंने विश्वास दिलाया कि धरती आबा योजना ग्रामीण विकास को नई गति देने का कार्य करेगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम बजाग श्री रामबाबू देवांगन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री राजेन्द्र कुमार जाटव सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बजाग ब्लॉक में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का ऋण वितरण कार्यक्रम संपन्न

डिंडोरी। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा बजाग विकासखंड में ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बजाग ब्लॉक की 11 स्व-सहायता समूहों को कुल 50 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया। वहीं, जिले में चलाए जा रहे समेकित अभियान के तहत कुल 97 लाख रुपये का ऋण वितरण किया गया।

कार्यक्रम में अग्रणी जिला प्रबंधक श्री रविशंकर, आरसेटी निदेशक एस.एस. समद, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक जी. अशोक, सहायक वित्त अधिकारी सुश्री साक्षी महता (बजाग), एनआरएलएम से सहायक विकासखंड प्रबंधक सुश्री शालिनी चौरसिया एवं सुश्री दुर्गावती मरावी, उप संचालक उद्यानिकी एवं खाद्य विभाग एस.सी. सोयम, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से नरेंद्र सहित संबंधित समूहों के हितग्राही उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इसमें ऋण वितरण एवं ऋण आवेदन प्रक्रिया, केसीसी, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टाट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना तथा उद्यम क्रांति योजना शामिल रहीं। इसके साथ ही आरसेटी निदेशक एस.एस. समद द्वारा संस्था के माध्यम से संचालित एवं आयोजित किए जाने वाले स्वरोजगार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी समूहों की दीदियों को दी गई।

पत्नी को खुदकुशी के लिए उकसाने पर पति को 5 साल की जेल

डिंडौरी। पत्नी को प्रताड़ति कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले आरोपी धनेश्वर उर्फ धनेश उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम पड़रियाकला को न्यायालय ने 5 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। मीडिया सेल प्रभारी मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि आरोपी आए दिन पत्नी से मारपीट करता था और उसे मरने के लिए उकसाता था। इसी से तंग आकर 21 अगस्त 2024 को पीड़िता ने फांसी लगा ली थी। गाड़ासरई पुलिस ने मामले की जांच कर चालान पेश किया, जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने बीएनएस की धारा 85 और 108 के तहत सजा और अर्थदंड का फैसला सुनाया।

मोटर साइकिल की टक्कर से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चटुआ में मोटरसाइकिल की टक्कर से घायल युवक की उपचार के दौरान जिला चिकित्सालय में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 20 अक्टूबर 2025 को रामजी बनवासी पिता प्यारेलाल बनवासी उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम चटुआ दोपहर करीब 3 बजे बाजार करने पैदल डिण्डौरी आया था। डिण्डौरी से बाजार करके वापस घर जा रहा था। चैथराम बनवासी के घर के पास समनापुर डिंडौरी मेन रोड मोड के पास ग्राम चटुआ में मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 20 एनवी 9463 के अज्ञात चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक रामजी बनवासी को टक्कर मार दिया गया था। गांव के कोटवार सुनील ने 108 वाहन से इलाज हेतु जिला अस्पताल ले जाकर भर्ती किया था। इलाज के दौरान रामजी वनवासी की मृत्यु हो गई थी। परिजनों कि रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है।

जिला शिक्षा केन्द्र सर्व शिक्षा अभियान जिला डिण्डौरी

क्र./जि.शि.के./स.शि.अभि./ईएण्डआर/2025/1291 डिण्डौरी, दिनांक 17/12/2025

अल्पावधि संक्षिप्त निविदा सूचना

सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 1 से 8 तक की समस्त शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं अन्य अध्ययनरत सामग्री विकासखण्ड स्तर से विद्यालय स्तर पर पहुँचाने हेतु निविदाएँ दिनांक 26.12.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक चपड़ा सील बंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। निविदा के साथ अमानत राशि रुपए 30000.00 (तीस हजार रुपए मात्र) का बैंक डिमाण्ड ड्राफ्ट जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र डिण्डौरी के नाम से देय हो जमा करना होगा। निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत नियम / शर्ते कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र डिण्डौरी (लेखा शाखा) से 1000.00 (एक हजार रू. मात्र) रुपए नगद जमा कर कार्यालयीन समय में (अवकाश दिवस को छोडकर) दिनांक 26.12.2025 को अपरान्ह 12.00 बजे तक प्राप्त की जा सकती है। निविदा गठित समिति के समक्ष दिनांक 26.12.2025 को अपरान्ह 03.00 बजे खोली जावेगी। (माननीय मुख्य कार्यपालन अधिकारी सह परियोजना संचालक द्वारा अनुमोदित)

जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र, डिण्डौरी जिला डिण्डौरी

नाम परिवर्तन सूचना

मैं मुकेश कुमार झारिया पिता श्री मुरारी लाल झारिया आयु 38 वर्ष जाति मेहरा निवासी ग्राम टिकरिया थाना व तहसील शहपुरा जिला डिण्डौरी (म.प्र.) का निवासी हूँ, मेरी पुत्री के आधार कार्ड नम्बर 4611 91586045 में नाम त्रिपती झारिया (TRIPTI JHARIYA) पिता मुकेश झारिया (MUKESH JHARIYA) त्रुटिवश लिख दिया गया है। अतः मैं अपनी पुत्री का नाम परिवर्तित कर तृप्ति झारिया (TRAPTI JHARIYA) पिता मुकेश कुमार झारिया (MUKESH JHARIYA) दर्ज करवाना चाहता हूँ तत्संबंध में दिनांक 17.12.2025 को स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत किया हूँ जिस किसी को आपत्ति हो वह इश्तहार प्रकाशन के बाद अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है शपथ पत्र की छायाप्रति संलग्न है।

BV 552780 शपथकर्ता

खबर संक्षेप

चलते ट्रक में लगी आग

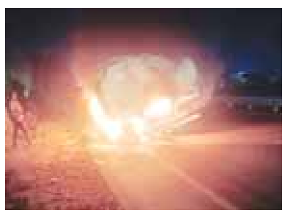

तेंदूखेड़ा। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर ग्राम मदनपुर में रात करीब ढाई बजे के लगभग एक ट्रक के ड्राइवर ने गाड़ी रोक कर गांव में आवाज लगाई टायर में आग लग गई है। आवाज सुनकर पहुंचे स्थानीय लोगों की मदद से आग को काबू पाया । जबकि आग किन कारणों से लगी स्पष्ट नहीं हो सका।देर रात्रि में आग बुझाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने नितिन खरे सत्तू राहुल शरद अग्रवाल काशीराम जमुना राय की मदद से तुरंत खेतों से पाइप सटक चलाकर साहसी का परिचय दिया एवं बड़ी दुर्घटना से बचाया गया। एनएचआई के नंबर पर कॉल किया लेकिन मौके पर कोई नहीं पहुंचा।

स्वदेशी जागरण मंच की बैठक संपन्न

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी स्वावलंबी अभियान की जिला बैठक ग्राम मदनपुर में संपन्न हुई जिसमें स्वदेशी जागरण मंच के विभाग संगठक आकाश जी जबलपुर एवं छिंदवाड़ा विभाग संगठक आकाश जी जिला संयोजक प्रोफेसर सतीश दुबे जिला संपर्क प्रमुख उपेंद्र काले जिला प्रचार प्रमुख निलेश खरे विज्ञान भारती से प्रोफेसर पी के खरे एवं राकेश बड़कुर उपस्थित रहे।इस मौके पर राकेश बड़कुड को करेली तहसील का संयोजक नियुक्त किया गया। बैठक में विस्तृत रूप से आगामी 2 फरवरी से 12 फरवरी तक नरसिंहपुर में स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित होने वाले स्वदेशी मेले पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

संचय अभियान के तहत बनाया बोरी बंधान

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस जल ही जीवन है जल संचयन अभियान के तहत जन अभियान परिषद से जुड़ी संस्थाओं व नागरिकों की जन भागीदारी से जल संचयन अभियान चला कर बोरी बंधान के कार्य किए जा रहे है। जिसके चलते चांवरपाठा में स्थित झरना में 83 बोरियों का बोरी बंधान किया गया । जिसमें सीएमसीएलडीपी के छात्रों ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नवांकुर संस्थाओ प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। इस मौके पर जनअभियान परिषद के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

नपा कर्मियों ने किया प्रर्दशन, वेतन की मांग

कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से बढ़ रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर उग्र प्रर्दशन करते हुए काम बंद हड़ताल की गई। कर्मचारियों द्वारा नगर पालिका द्वारा वेतन की जगह पर उन्हे केवल तारीख के बाद तारीख दी जाती है। लेकिन तीन माह बीतने के बाद भी वेतन नही दिया गया। नगर पालिका प्रशासन के उक्त रवैये से परेशान होकर कर्मचारियों द्वारा काम बंद हड़ताल करने का फैसला लिया गया। कर्मचारियों द्वारा नगर में कचरा फैला कर प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों द्वारा कहा गया कि वेतन नही तो काम नही के नारे भी लगाए गए। वेतन ना मिलने के कारण कर्मचारियों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। उनके परिवार का भरण पोषण की ठीक ढंग से नही हो पा रहा है।

बुधवार को लंबे समय से वेतन नहीं मिलने से परेशान नगरपालिका के वेतनभोगी कर्मचारी द्वारा हड़ताल प्रारंभ कर दी गई। कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा बार-बार तारीख पर तारीख मिलने से नाराज कर्मचारियों ने काम बंद कर शहर में विरोध प्रदर्शन किया। वहीं गुस्साए कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर शहर के कुछ इलाकों में कचरा फैलाकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया, जिससे नगर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई। कर्मचारियों का कहना है कि चार महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण घर खर्च, बच्चों की फीस, बिजली बिल और राशन जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य आम जनता को परेशान करना नहीं है, बल्कि प्रशासन का ध्यान अपनी गंभीर समस्याओं की ओर आकर्षित करना है। उन्होंने नगर प्रशासन से जल्द से जल्द बकाया वेतन का भुगतान करने की मांग की, ताकि कार्य बहाल हो सके और आम नागरिकों को राहत मिल सके।

व्यवस्थाओं पर पड़ रहा असर

नगर पालिका कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से नगर की स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाओं पर असर दिखाई दिया। कर्मचारियों के हड़ताल और विरोध प्रदर्शन के चलते शहर के कई हिस्सों में गंदगी फैलने लगी है, जिससे नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। सभी की निगाहें नगर प्रशासन पर टिकी हैं कि इस मामले में कब तक ठोस निर्णय लिया जाता है और स्थिति सामान्य होती है। हालाकि उक्त संबंध मे नगर पालिका द्वारा कोई निर्णय नही लिया गया है जिसके कारण आने वाले दिनों में नगर की व्यवस्थाओं में और भी परेशानी नगरवासियों को उठानी पड़ सकती है अब देखना होगा कि कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने के बाद नगर पालिका प्रशासन द्वारा क्या कदम उठाया जाता है या फिर नगर वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

आर्थिक तंगी में जीवन यापन

नगर पालिका कर्मचारी वेतन ना मिलने से आर्थिक तंगी से जूझ रहे है जिससे परिवार की स्थिति भी दयनीय बनी हुई है वही नगर पालिका प्रशासन को बार बार अवगत कराने के बाद भी प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नही उठाया गया। कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि वेतन ना मिलने से बच्चों की पढ़ाई तथा अन्य कार्यो पर बुरा असर पड़ रहा है लेकिन नगर पालिका प्रशासन द्वारा काम पूरा लिया जा रहा है और वेतन के नाम पर केवल आश्वासन दिया जा रहा है। जबकि परिवार को चलाने के लिए आश्वासन की नही बल्कि धन का आवश्यकता होती है जो नगर पालिका द्वारा वेतन के रूप मे नही दिया जा रहा है जब तक वेतन का भुगतान नही होगा तब तक काम पर वापस नही जायेगें। अब देखना होगा कि नगर पालिका कर्मचारियों को कैसे काम पर वापस लाती है।

सटोरिया बढ़ा रहा कोतवाली पुलिस का गौरव

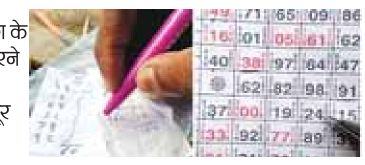

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्पूर्ण जिले मे अच्छी पुलिस व्यवस्था स्थापित करने के लिए प्रयास किए जा रहे है लेकिन विभाग के कुछ जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी पुलिस अधीक्षक के प्रयासों पर पानी फेरने का काम करते नजर आ रहे है। ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय में सामने आया जहां पर कोतवाली पुलिस द्वारा बनाई गई चौकी से महज सौ मीटर दूर सट्टे का कारोबार फल फूल रहा है। सटोरिए के हौसले इतने बुलंद है कि पुलिस का उसे कोई डर भय नहीं है। जिससे प्रतीत होता है कि सटोरिए पर कोतवाली पुलिस की विशेष कृपा है। लोग अपना घर व जेवर बेचकर भी सट्टा खेल लेते है और परिवार उनकी कारगुजारी का दंश झेलता है वही जिला मुख्यालय मे भी सट्टे का कारोबार चर्म सीमा पर जारी है पुलिस द्वारा देखकर अनदेखी की जा रही है। जिला मुख्यालय मे चल रहे सट्टे के स्थान की दूरी कोतवाली थाने से महज 1 किलो मीटर ही होगी लेकिन पुलिस के हाथ सटोरियों तक नहीं पहुंच पा रहे है। वही सटोरिया के अड्डे से तकरीबन 100 मीटर दूर पुलिस की सहायता चैंकी भी बनी हुई जो शहर के हावो हवा व अपराधों को नियंत्रण के उद्वेश्य से बनाई गई वही चैकी पर बैठने वाले पुलिस कर्मियों द्वारा आज तक उक्त सटोरियों पर कोई कार्रवाई नही की गई जो मिलीभगत होने की आशंका को दर्शा रही है। जिला मुख्यालय के गांधी चैंक क्षेत्र मे पुल के पास के क्षेत्र मे धड़ल्ले से सट्टा खिलाया जा रहा है। सटोरियों के नेटवर्क इतने मजबूत होते है कि पुलिस के आने की सूचना उन्हे पहले ही लग जाती है और वह अपनी दुकान बंद कर भाग जाते है और पुलिस के हाथ खाली के खाली रह जाते है। वही पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अनेको प्रयास किये जा रहे है। परन्तु अपराधों पर कमी नजर नहीं आ रही है। जो पुलिस की असफलता को दर्शा रही है। सट्टे के गंदे खेल मे की युवा पीढ़ी भी शामिल होती जा रही है जो लोगो के लिये चिंता जनक है। युवाओं को 1 के 80 के चक्कर का मायाजाल से इस तरह भ्रमित किया जा रहा है कि वह इस खेल मे आसानी शामिल हो रहे है और परिणाम यह होता है कि अपना घर जेवर बेचकर सट्टे का कर्ज चुकाते रहते है। लोगो को इस बात की चिंता अधिक होने क लगी है कि समाज का ये गंदा खेल कब बंद होगा। सटोरिए पर पुलिस द्वारा कार्रवाई ना करना ऐसा दर्शा रहा है कि सटोरिया कोतवाली पुलिस के गौरव को बढ़ा रहा है। लोगो द्वारा कहा जा रहा है दीपक के गौरव से प्रकाशमान हो रहा सट्टे का कारोबार और इसे बंद कराने मे पुलिस असफल नजर आ रही है। अब देखना होगा कि सटोरिये आखिर कब तक पुलिस से बच पाते है या पुलिस ऐसे ही असफल बनी रहेगी।

पेंशनर्स डे पर आज नेत्र शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंह वरिष्ठ जन परिषद और पेंशन समाज के तत्वाधान में हाउसिंग बोर्ड सदर मढ़िया प्रांगण नरसिंहपुर में 18 दिसंबर को नेत्र शिविर और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में शंकराचार्य नेत्रालय झोतेश्वर के सौजन्य से आंखों के निशुल्क आपरेशन होंगे। शासकीय अस्पताल सहित डॉ अमित चैकसे एम डी सर्जन भी मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। आयुष चिकित्सा विभाग के अधिकारियों द्वारा भी दवा वितरण सहित मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जावेगा। आयोजन समिति ने आंखों के आपरेशन सहित स्वास्थ्य लाभ लेने हेतु अधिकाधिक जन समूह की उपस्थिति का आव्हान किया है। गरिमामय आयोजन हेतु आयोजन समिति ने बैठक में शिविर की सम्पूर्ण रूपरेखा तैयार कर पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं।

नेशनल कराटे चैंपियनशिप में हर्ष को मिला द्वितीय स्थान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। थर्ड स्काई कप बनारस में आयोजित ऑल इंडिया नेशनल कराटे चैंपियनशिप 2025 में हर्ष जाट पिता राघवेंद्र सिंह ने 68 वेट कैटेगरी में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल प्राप्त किया। हर्ष के कोच बृजेश घारु ने बताया कि हर्ष इसके पूर्व प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर में अनेक बार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पुरस्कार जीत चुके हैं।

यूरिया के लिए रण - किसानों का फूटा गुस्सा, सड़क पर लगा जाम

गोटेगांव। जिले में यूरिया खाद की वितरण व्यवस्था को लेकर मचा घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को गोटेगांव तहसील के नयागांव स्थित वेयर हाउस के सामने किसानों का धैर्य जवाब दे गया और उन्होंने सड़क पर उतरकर चक्का जाम कर दिया। इस प्रदर्शन के कारण ठेमी-करकबेल मार्ग पर करीब एक घंटे तक आवागमन पूरी तरह बंद रहा, जिससे यात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

किसानों का आरोप- दावों और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर

प्रदर्शन कर रहे किसानों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना है कि सरकारी स्तर पर खाद की पर्याप्त उपलब्धता के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत में किसान सुबह से शाम तक कतारों में खड़े होने को मजबूर हैं। किसानों ने टोकन प्रणाली को जटिल बताते हुए कहा कि टोकन लेने के बाद भी उन्हें कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है, जिससे उनकी बोवनी का कार्य प्रभावित हो रहा है।

पुलिस और प्रशासन के हस्तक्षेप से खुला जाम

सड़क जाम होने की खबर मिलते ही गोटेगांव तहसीलदार और ठेमी थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी किसानों को समझाया

और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने का भरोसा दिलाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद किसान सड़क से हटे, जिसके बाद पुलिस ने यातायात सुचारू कराया।

प्रशासन की सफाई-तकनीकी सीमाओं के कारण हो रही देरी

इस मामले में कृषि उपसंचालक मोरिस नाथ ने कहा कि जिले में खाद का पर्याप्त भंडारण है और हाल ही में 3633 मीट्रिक टन की नई रैक भी प्राप्त हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वितरण में देरी का मुख्य कारण पीओएस मशीन की सीमित क्षमता है, जिससे एक दिन में केवल 100 से 125 किसानों को ही खाद दी जा सकती है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे संयम बनाए रखें और टोकन के अनुसार अपनी बारी का इंतजार करें।

मुंगवानी पुलिस की दोहरी सफलता, अवैध शराब जप्त कर आरोपी गिरफ्तार, चोरी की वारदात का भी खुलासा

गोटेगांव। विगतदिवस समीपवर्ती थाना मुंगवानी पुलिस ने एक ओर अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में मदिरा जप्त की है, वहीं दूसरी ओर चोरी की एक बड़ी वारदात का सफल खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इन दोनों कार्रवाइयों से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप का माहौल है।

अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई

थाना मुंगवानी पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी प्रहार करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। दिनांक 13 दिसंबर 2025 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम बकोरी स्थित अपना ढाबा में दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान आरोपी विष्णु उर्फ नेतराम पिता जगदीश विश्वकर्मा उम्र 27 वर्ष निवासी कनहरपानी थाना मुंगवानी के कब्जे से पांच कार्टून प्लेन देसी मदिरा, एक कार्टून गोवा व्हिस्की तथा एक कार्टून बीयर इस प्रकार कुल सात पेटी मदिरा जप्त की गई। 61.800 बल्क लीटर मदिरा, 35 हजार रुपये की जप्ती - पुलिस द्वारा जप्त की गई मदिरा की कुल मात्रा लगभग 61.800 बल्क लीटर बताई गई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 35 हजार रुपये आंकी गई है। आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

चोरी की वारदात का सफल खुलासा

इसी क्रम में थाना मुंगवानी क्षेत्र के ग्राम गोरखपुर पेट्रोल पंप के सामने 5 दिसंबर 2025 को दोपहर 1

बजे से 2 बजे के बीच हुई चोरी की घटना का भी पुलिस ने सफल खुलासा किया है। अज्ञात चोरों द्वारा एक घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए गए थे। इस मामले में अपराध क्रमांक 362/25 धारा 331(3), 305-ए भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही थी।

तीन आरोपी गिरफ्तार, जेवरात व मोटरसाइकिल बरामद

विवेचना के दौरान संदेहियों से सख्ती से पूछताछ करने पर सद्दाम उर्फ इमरान पिता अनवर अली उम्र 32 वर्ष निवासी नूरी मोहल्ला गोटेगांव, हेमंत पिता कालू चक्रवर्ती उम्र 24 वर्ष निवासी देव मुरलीधर वार्ड गोटेगांव तथा रुपेश चौधरी पिता नर्मदा प्रसाद चौधरी उम्र 32 वर्ष निवासी कुमारी मोहल्ला गोटेगांव ने चोरी की वारदात स्वीकार की। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गए सभी सोने-चांदी के जेवरात बरामद कर लिए गए हैं, साथ ही चोरी में प्रयुक्त आरोपी सद्दाम की पल्सर मोटरसाइकिल भी जप्त की गई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने हर्रई जिला छिंदवाड़ा में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है, जिससे उनके आपराधिक नेटवर्क की जांच की जा रही है।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई

अवैध शराब जप्ती एवं चोरी के खुलासे की यह संयुक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया तथा एसडीओपी गोटेगांव मनीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी मुंगवानी अनिल तिवारी, थाना प्रभारी गोटेगांव प्रदीप सराफ, सहायक उप निरीक्षक लेखराम धुर्वे, प्रधान आरक्षक करण पटेल, विवेक तिवारी, आरक्षक रामकुमार, दीपक, अभिषेक एवं थाना गोटेगांव से आरक्षक नितिन दहिया की विशेष भूमिका रही।

दबंगों के खौफ से गोटेगाँव का एक परिवार पलायन की कगार पर

मासूमों के साथ न्याय की गुहार लेकर पहुँचा एसडीएम कार्यालय

गोटेगांव। जिले के गोटेगाँव तहसील में एक दलित परिवार न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। श्रीनगर निवासी कालूराम चौधरी और उनका परिवार बीते दिवस को अपने छोटे-छोटे मासूम बच्चों के साथ एसडीएम कार्यालय पहुँचा। परिवार का आरोप है कि गाँव के दबंग न केवल उनकी कृषि भूमि हड़पना चाहते हैं, बल्कि उन्हें झूठे मामलों में फँसाने और जान से मारने की धमकियाँ भी दे रहे हैं।

हत्या का आरोपी पेरोल पर बाहर, दे रहा मुंडी काटने की धमकी

आवेदक कालूराम चौधरी और उनके पुत्र आसाराम चौधरी ने बताया कि ग्राम धौरपुर स्थित उनकी पुश्तैनी भूमि पर वे वर्षों से खेती कर रहे हैं। आरोप है कि हीरालाल चौधरी और खड़क सिंह चौधरी उन्हें खेती करने से रोक रहे हैं। पीड़ति ने बताया कि खड़क सिंह चौधरी धारा 302 (हत्या) के मामले में हाल ही में 07 फरवरी को जेल से पेरोल पर बाहर आया है। बाहर आते ही उसने पीड़ति परिवार को हथियार दिखाकर धमकाना शुरू कर दिया है और सरेआम तेरी मूंड काट दूँगा जैसी धमकियाँ दे रहा है।

महिलाओं को ढाल बनाकर झूठे केस की साजिश

पीड़ति परिवार ने एक और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी हीरालाल चौधरी अपने घर की महिलाओं को आगे कर रहा है। वह धमकी देता है कि यदि जमीन नहीं छोड़ी, तो वह परिवार के पुरुषों पर महिला उत्पीड़न और छेड़छाड़ के झूठे मुकदमे दर्ज करा देगा। इस मानसिक दबाव के कारण पूरा परिवार डरा-सहमा हुआ है।

पानी रोका, फसलें सूखीं,आर्थिक तंगी का संकट

दबंगई की इंतहा यहीं खत्म नहीं हुई, आरोपियों ने खेत से लगे कुएं का पानी भी जबरन रोक दिया है। पानी के अभाव में खड़ी फसलें सूख रही हैं, जिससे परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। पीड़तिों का कहना है कि उन्होंने 08 फरवरी को झोतेश्वर चौकी और गोटेगाँव थाने में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण आरोपियों के हौसले बुलंद हैं।

साहब, हमें बचा लो ! मासूमों के साथ पहुँचा परिवार

थक-हारकर परिवार बीते दिवस को एसडीएम कार्यालय पहुँचा। हाथ में आवेदन लिए छोटे बच्चों के चेहरों पर डर साफ दिखाई दे रहा था। परिवार ने कलेक्टर, एसपी और एसडीएम से मांग की है कि आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।हत्या के आरोपी खड़क सिंह की पेरोल निरस्त कर उसे वापस जेल भेजा जाए।परिवार को जान-माल की सुरक्षा प्रदान की जाए।

शिशक शिशक कर पीड़ित महिला ने आप बीती बताई

अपने चार मासूम छोटे-छोटे बच्चों के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंची और शिशक शिशक कर पीड़ित महिला पूजा चौधरी ने मीडिया को बताया कि हमने नरसिंहपुर पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को भी शिकायत की थी लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ मेरे छोटे-छोटे चार बच्चे हैं और मेरा पति अकेला है मेरे पति को मार डालने की धमकी दे रहे इसलिए हम एसडीएम कार्यालय में अपने परिवार के साथ यहां आए हुए हैं !

किसानों की समस्याओं के निराकरण की जरूरत

दो दो जिंदगियों को लील लेने के बाबजूद नहीं हुआ सुधार, झूल रहे 11 के व्ही और 33 के विद्युत तार

तेंदूखेड़ा। एक तरफ जहां शासन जनभावनाओं के अनुरुप विभिन्न योजनाओं के माध्यम से काम करते हुए हरसंभव मदद कर रहा है। लेकिन कुछ विभागों की मनमानियां अभी भी क्षेत्र में जनचर्चा का विषय बनीं हुई है। इतना ही नहीं पूर्व में घटित घटनाओं के चलते दो दो जिंदगियों को तबाह करने के बाबजूद भी अभी तक सुधार की दिशा में कोई उचित प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। हमारे प्रतिनिधि को ग्राम भामा के प्रतिष्ठित कृषकों ने बताया कि अभी भी खेतों में 11 के व्ही और 33 के विद्युत तार झूल रहे हैं। खेतों में गन्ना कटाई का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है कृषकों को अपनी गन्ने की फसल खेतों से निकालनी पड़ती है।झूलते विद्युत तार आवागमन में परेशानी का कारण बने हुये है समय रहते इनमें सुधार होना बहुत ही जरूरी हो गया है। पूर्व में भामा क्षेत्र में दो लोगों की मौतें इन्हीं झूलते विद्युत तारों के कारण हुई थी।

जरुरत से ज्यादा जमीन अधिग्रहित करने से कृषक नहीं लगा पा रहे फसलें

खेतों में पानी की व्यवस्था को लेकर चिनकी बैराज परियोजना

को लेकर बड़ी बड़ी पाइप लाइन डाले जाने का काम चल रहा है। चूंकि यह कार्य ऐसे समय में किया जा रहा है जब खेतों में कृषकों की विभिन्न प्रकार की फसलें लगाई जा रही है।पाइप लाइन डालने को लेकर भले ही कुछ मुआवजा इन कृषकों को दिया जा रहा है लेकिन उससे ज्यादा समस्या यह बनीं हुई है कि जितनी जगह में पाइप लाइन डाली जानी है उससे कहीं ज्यादा जमीन अधिग्रहित कर रखी है। जिससे किसानों को समस्या उत्पन्न हो रही है। प्रभावित किसानों का कहना है कि एक तरफ तो लाइक डालने नाली खोदकर डाल दी गई है लेकिन दूसरी तरफ बड़ी मात्रा में जगह खाली छुड़वाई गई है जिससे फसल नहीं लग पा रही है। वहीं टेस्टिंग के नाम पर लाइन खुली पड़ी हुई है। इसमें सुधार की जरूरत है।

खेतों में फसलों को नुकसान पहुंचा रहे जंगली जानवर

इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में किसान जंगली सुअरों जानवरों बंदरों से परेशान देखा जा रहा है। कृषकों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि हर साल की अपेक्षा इस साल खेती बहुत ही बिलंब से शुरू हो सकी है। हाल ही में चना मसूर की बोनी की गई है। फसलें अंकुरित हो चुकी है। लेकिन जंगली सुअरों और बंदरों का आतंक इन खेतों में बना हुआ है।दिन के समय गन्नों के खेत में सुअरों के झुंड गन्ने की फसलों में छिप जाते हैं।या जंगल तरफ भाग जाते हैं रात को अंधेरा होते ही रात्रि के समय बड़ी संख्या में खेतों में फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं।रात रात भर खेतों की रखवाली करनी पड़ती है।देशी पुराने प्रयोग हल्ला करना पड़ता है या फिर पटाखे फोड़कर कर भगाना पड़ता है।इन सुअरों की बड़ी बड़ी सींखें होने के कारण भय भी बना रहता है। किसानों का कहना है कि बड़ी संख्या में सुअर फसलों को ही चट कर जाते हैं। कुछ जंगल की किनारे बसे जंगली क्षेत्रों में चीतल नीलगाय गुराह इन फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। भामा क्षेत्र के प्रतिष्ठित कृषकों का कहना है कि वर्तमान में चने की फसलों में बंदरों का आतंक देखा जा रहा है दिन दिन भर हल्ला करके इन्हें भगाना पड़ता है।